

**स्वधा स्त्री.** (तत्.) 1. पितरों के निमित्त दिया जाने वाला अन्न या भोजन, पितृ अन्न 2. दक्ष की एक कन्या जो पितरों की पत्नी कही गई है 3. स्वतः प्रवृत्ति 4. निजी संकल्प अव्य. यज्ञ में प्रयुक्त एक वैदिक शब्द या मंत्र का अंग जिसका उच्चारण देवताओं या पितरों को हवि देने के समय किया जाता है जैसे- तस्मै स्वधा।

**स्वधाप्रिय पुं.** (तत्.) अग्नि।

**स्वधाभुक् पुं.** (तत्.) 1. पितर 2. देवता।

**स्वधाभोजी पुं.** (तत्.) पितृगण, पितर।

**स्वधाम पुं.** (तत्.) अपना धाम, अपना निवास स्थान जैसे- भगवान शिव का स्वधाम 'कैलास' है और भगवान विष्णु का बैकुंठ है।

**स्वधामद वि.** (तत्.) अपना धाम, निवास देने वाला।

**स्वधाशन पुं.** (तत्.) पितृगण, पितर।

**स्वधिति स्त्री.** (तत्.) 1. कुल्हाड़ी, कुठार 2. वज्र।

**स्वधिष्ठान वि.** (तत्.) अच्छी स्थिति या स्थान से युक्त।

**स्वधिष्ठित वि.** (तत्.) 1. अच्छी तरह से अधिष्ठित, स्थित, अच्छी प्रकार से ठहरा हुआ या रहता हुआ 2. अच्छी तरह सिखलाया या सधाया हुआ हो।

**स्वधीत वि.** (तत्.) अच्छी तरह पढ़ा हुआ, सम्यक् रूप से अध्ययन किया हुआ हो जैसे- रामायण और महाभारत के स्वधीत विद्वानों का आदर करो।

**स्वनंदा स्त्री.** (तत्.) दुर्गा।

**स्वन पुं.** (तत्.) शब्द, ध्वनि, आवाज।

**स्वन चक्र पुं.** (तत्.) संभोग का एक प्रकार का आसन या रतिबंध।

**स्वन विज्ञान पुं.** (तत्.) भाषाविज्ञान की एक शाखा जिसमें संसार की सभी शाखाओं का सामान्य अध्ययन ध्वनि-उत्पादक अंगों, स्वर लहरों तथा स्वरों के वर्गीकरण की दृष्टि से किया जाता है, ध्वनि विज्ञान।

**स्वन-परिवर्तन पुं.** (तत्.) ध्वनि परिवर्तन।

**स्वनाम पुं.** (तत्.) अपना नाम।

**स्वनामधन्य वि.** (तत्.) अपने नाम से प्रसिद्ध व्यक्ति, सुप्रसिद्ध।

**स्वनामा वि.** (तत्.) स्वनाम-धन्य।

**स्वनाश पुं.** (तत्.) 1. अपना नाश, अपनी बर्बादी 2. अपनी भीषण हानि।

**स्वनि पुं.** (तत्.) 1. शब्द, आवाज 2. अग्नि, आग।

**स्वनिक वि.** (तत्.) ध्वनि/शब्द करने वाला।

**स्वनित वि.** (तत्.) ध्वनित पुं. 1. ध्वनि, आवाज 2. बादलों की गड़गड़ाहट, मेघ-गर्जन।

**स्वनिम पुं.** (तत्.) किसी भाषा की विभिन्न ध्वनियों में से प्रत्येक मासिक अभिव्यक्ति की लघुतम अर्थहीन इकाई, ध्वनिग्राम टि. हिंदी भाषा में सभी स्वर (अ, आ, इ, ई....) तथा व्यंजन (क, ख, ग....) स्वनिम हैं इनके अतिरिक्त अनुनासिकता, बलाघात आदि भी स्वनिम हैं, 'स्वनिम' का एक प्रमुख लक्षण यह है कि वह स्वयं अर्थहीन होता है परंतु स्वनिम बदलने से शब्द का अर्थ बदल जाता है जैसे- 'आधी और आँधी' में अनुनासिकता से अर्थ परिवर्तन होता है।

**स्वनिम विज्ञान पुं.** (तत्.) भाषा-विज्ञान की एक शाखा जिसमें किसी भाषा के स्वनिमों का अध्ययन किया जाता है, ध्वनिग्राम विज्ञान टि. प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में 'याज्ञवल्क्यशिक्षा' आदि 'शिक्षा' ग्रंथ तथा विविध 'प्रातिशाख्य' ग्रंथ 'स्वनिम विज्ञान' के उत्कृष्ट ग्रंथ हैं।

**स्वनिर्मित वि.** (तत्.) स्वयं बनाया हुआ, अपने द्वारा रचित, आत्म-रचित।

**स्वनिल वि.** (तत्.) ध्वनियुक्त।

**स्वनिलता स्त्री.** (तत्.) 1. ध्वनि युक्तता 2. कोलाहल/शोर करना, कोलाहल युक्तता।

**स्वन्न पुं.** (तत्.) 1. उत्तम अन्न 2. अच्छा आहार या भोजन।